तापमान
अधिकतम 24 .0 डिग्री
न्यूनतम 12 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

8 फाइनल में पहुंचने के लिए बहाया पसीना

8 सचिन और चारु रहे बेस्ट वालंटियर

खबर संक्षेप

गोशाला में दी सेवा के लिए 51 हजार की राशि

जींद। बाबा फुल्लू साध गौशाला उचाना खुर्द में 51 हजार रुपये की सहयोग राशि स्वतंत्र समूह सेवा समिति चेयरमैन प्रदीप मोर ने गायों की सेवा के लिए दी। प्रदीप मोर ने कहा कि गाय की सेवा करने से पुण्य मिलता है। हर किसी को चाहिए कि खुद की नेक कमाई से जितना हो सके वो गौशालाओं में दान जरूर करें। गाय की सेवा करने से पुण्य मिलता है।

लिव इन रिलेशन में रह रही युवती का अपहरण

कैथल। थाना तितरम पुलिस ने लिव इन रिलेशन में रह रही युवती को अपहरण करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। काकौत के रोहतास में तितरम पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके साथ आशा नामक महिला लिव इन रिलेशन में रह रही थी। आरोप है कि अर्जुन नगर कैथल का सुमित 27 फरवरी को गांव काकौत से आशा का अपहरण कर ले गया।

गाड़ी का शीशा तोड़ नकदी व कपड़े चोरी

जींद। गांव कालवा में शादी समारोह में आए एक व्यक्ति की गाड़ी का शीशा तोड़कर कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस को शिकायत दी है।

दुकान से चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। दुकान से सामान चोरी करने के मामले में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुराड़ निवासी सचिन की शिकायत अनुसार गांव कुराड़ स्थित उसकी पेंट दुकान से 20 फरवरी की रात अज्ञात व्यक्ति इन्वर्टर बैटरी व पेंट की बाल्टी तथा उसके साथ वाली दुकान से 2 पुराने एसी व इनवर्टर बैटरी चोरी करके ले गए।

सड़क हादसे में महिला गंभीर

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के गतौली गांव के पास सड़क हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गतौली निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी मुकेश परिवार की महिलाओं के साथ अमावस्या की पूजा कर खेत से लौट रही थी।

दानपात्र से पैसे चोरी के मामले में आरोपी काबू

कैथल। गांव कौल दादा खेड़ा के दान पात्र से पैसे चोरी करने के मामले की जांच थाना ढांड पुलिस के एचसी नरेंद्र की टीम द्वारा करते हुए आरोपी रुड़ी लोधिपुर जिला नालंदा बिहार निवासी अखिलेश को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव कौल दादा खेड़ा कमेटी प्रधान मनीष कुमार ने शिकायत दी थी।

10वीं की परीक्षा देने गई छात्रा लापता, केस दर्ज

जींद। दसवीं की परीक्षा देने के लिए निकली छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में गुम हो गई। परीक्षा में भी वह गैरहाजिर रही है। शहर थाना पुलिस ने पीड़िता के भाई की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जींद की एक कॉलोनी निवासी युवक ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दी है।

मारपीट में एक युवक घायल, शिकायत दर्ज

कैथल। कैथल शहर के विश्वकर्मा चौक पर हुई मारपीट में एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सचिन ने शहर पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 28 को जब विश्वकर्मा चौक के निकट से गुजर रहा था तो तीन व्यक्तियों ने रास्ता रोकते हुए उसे पर डंडों से हमला करते उसे घायल कर दिया।

लोकतंत्र का पर्व: केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध

मतदान के लिए 14 मतदान केंद्र, सुरक्षा की दृष्टि से 350 पुलिस कर्मचारी तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना में आने वाले हर रास्ते पर नाकाबंदी

नगरपालिका के रविवार को होने वाले चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। 350 पुलिस कर्मचारियां की तैनाती की गई है। जुलाना से आने-जाने वाले हर रास्ते पर नाकाबंदी की गई है। जींद-रोहतक मार्ग पर, देवरड़ रोड पर, मालवी फाटक पर, गोहाना की तरफ जाने वाले रास्ते पर, पुराना बस स्टैंड व पुराने बस स्टैंड पर पुलिस ने नाके लगाए गए हैं। जुलाना में बनाए गए 14 मतदान केंद्रो पर 14 पोलिंग पार्टियां राजकीय कालेज से रवाना हुई और गतंव्य तक पहुंच गई। मतदान सुबह आठ बजे से सायं छह बजे तक होगा। एकए दोए तीन बूथों को संवेदनशील बूथ बनाया गया है। प्रत्येक बूथ पर चार पुलिस कर्मचारी की नियुक्ति की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा के निर्देशानुसार एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता धारा के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट एवं उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा द्वारा विभिन्न अधिकारियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो। इसी क्रम में जुलाना उपमंडल में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सुचारू चुनाव संचालन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नगरपालिका आम चुनाव 2025 को स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधीश मोहम्मद इमरान रजा द्वारा आवश्यक आदेश जारी किए गए हैं। इन आदेशों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत लागू किया गया है। जिलाधीश ने कहा कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न हो जिससे सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कैथल। निकाय चुनाव को लेकर रवाना होती चुनावी टीम। *फोटो :हरिभूमि*

पार्षद पद के लिए उम्मीदवार

वार्ड 1 से मनदीप व सोनिया, वार्ड 2 से राजपाल और कविता, वार्ड 3 से खुशीराम और जितेंद्र लाठर, वार्ड 4 मोनू सर्वसम्मति, वार्ड 5 रीतू, पूजा और सुजाता, वार्ड 6 पवन कुमार, संदीप व ओमप्रकाश, वार्ड 7 रामनिवास, राजेश, प्रदीप व विजय कुमार, वार्ड 8 से संदीप सर्वसम्मति, वार्ड 9 से सुभाष चंद, राहूल, अजित व अजय कुमार, वार्ड 10 से रामभतेरी, मीना व पूजा रानी, वार्ड 11 से ममता और सोनम, वार्ड 12 से सुमित, भारत और राकेश कुमार, वार्ड 13 से रजनी देवी, ज्योति, रोशनी और मौसमी, वार्ड 14 से मंजू और सुमित्रा हैं। प्रधान पद के उम्मीदवारों के चुनाव में सुनील कुमार, कौशल कुमार, मोहिंद्र सिंह, डा. संजय जांगड़ा, दिनेश कुमार, अमजीत सिंह, ठंडीराम जोगिंद्र वकील हैं।

दो वार्डों में सर्वसम्मति

जुलाना कस्बे में शहर की सरकार बनाने के लिए सरगर्मियां तेज हो गई। चुनावी ताल ठोकने वाले अब प्रधान पद के लिए 9 व पार्षद पद के लिए 32 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। जुलाना नपा के पूर्व उप प्रधान विजय बैरागी और उनकी पत्नी सुमित्रा चुनावी मैदान में हैं। पहले विजय बैरागी वार्ड 6 से पार्षद थे। अबकि बार विजय बैरागी वार्ड नंबर 7 से चुनावी मैदान में हैं तो उनकी पत्नी सुमित्रा वार्ड 14 से चुनावी मैदान में हैं।

मतगणना एवं मतदान के समय जनता के उत्साह के कारण कभी-कभी असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी किसी भी स्थिति से बचने और चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने यह आदेश जारी किए हैं। निर्देशानुसार मतदान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिससे मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त मतदान केंद्रों में केवल आवश्यक एवं अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। जिनमें मतदाता, उम्मीदवार, उनके चुनाव एजेंट मतदान

अधिकारी एवं चुनाव आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति शामिल हैं। जिलाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि विजय जुलूसों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

कैथल : तीन नगर पालिकाओं में 45 हजार 69 मतदाता तय करेंगे 180 उम्मीदवारों का भविष्य

नपा सीवन, कलायत, पूंडरी में प्रधान-पार्षद पद के लिए मतदान आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने बताया जिला के सीवन, कलायत तथा पूंडरी में दो मार्च को सुबह 8 बजे से लेकर सायं 6 बजे तक अध्यक्ष व पार्षद पद के लिए मतदान होगा। जिसके लिए शनिवार को पोलिंग पार्टियां को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के उपरांत पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना हो गई। डीसी प्रीति ने चुनाव प्रकिया में शामिल अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। अपनी ड्यूटी को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएं और मतदान को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्णरूप से संपन्न करवाएं। मतदान प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई सभी हिदायतों की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि एसडीएम एवं कलायत आरओ अजय हुड्डा, कैथल एसडीएम एवं पूंडरी आरओ अजय सिंह, गुहला एसडीएम एवं सीवन आरओ कैप्टन प्रमेश कुमार के नेतृत्व में सभी पोलिंग पार्टियों की रिहर्सल करवाई तथा चुनाव किट देकर रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि तीनों नगर पालिकाओं में प्रधान व पार्षद पद के लिए कुल 180 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। अगर मतदाताओं की बात की जाए तो तीनों नगर पालिकाओं में 45 हजार 69 मतदाता हैं, जो इन प्रत्याशियों का भविष्य तय करने के लिए मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव ईवीएम से होगा। उसके बाद 12 मार्च को मतगणना होगी। चुनाव के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के आदेश जारी किए गए हैं।आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने बताया कि निकाय चुनाव के मद्देनजर राज्य सरकार के अधीनस्थ सभी विभागों के कार्यालयों, बोर्ड, कॉपोरेशन और शिक्षण संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए दो मार्च तथा नौ मार्च को पेड होली डे (सह वेतन अवकाश) रहेगा।

बढ़ चढ़कर मतदान करने का आह्वान

उन्होंने बताया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-बी के तहत हरियाणा सरकार के सभी कार्यालयों, बोर्डों/निगमों और शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत संबंधित नगर निगमों, नगर परिषदों तथा नगर पालिकाओं के मतदाताओं के लिए पेड हॉलीडे (सह वेतन अवकाश) रहेगा, ताकि सभी अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही सभी फैक्ट्रियों, प्राइवेट व्यवसायिक संस्थानों, दुकानों आदि में काम करने वाले उन कर्मचारियों के लिए भी पेड होली डे रहेगा, जिनका नाम चुनावी नगर निगम/ नगर परिषद या नगर पालिका क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत हैं। उन्होंने पात्र मतदाताओं से दो मार्च जिला की सीवन, कलायत, पूंडरी नगर पालिकाओं के चुनाव में बढ़ चढ़ कर मतदान करने का आह्वान किया है।

सफीदों :1384 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

सफीदों। सफीदों के वार्ड नंबर 14 में आज रविवार को होने वाले उपचुनावों को लेकर पोलिंग पार्टियों व पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। गौरतलब है कि इस चुनाव में 1384 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा आदर्श कालोनी स्थित राजकीय मिडल स्कूल को पोलिंग बूथ बनाया गया है। चुनाव में एक महिला सहित 3 प्रत्याशी अपना-अपना भाग्य आजमा रहे हैं। जिससें ज्योति देवी, नीरू कुमार व अजीत कुमार शामिल है। इस चुनाव को संपन्न करवाने के लिए शनिवार को दो पोलिंग पार्टियां राजकीय मिडल स्कूल में पहुंची। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में चार-चार कर्मचारी शामिल किए गए हैं। एक पार्टी पोलिंग करवाई तो दूसरी पोलिंग पार्टी को रिजर्व रखा गया है। वहीं चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए व्यापक तौर पर पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। चुनाव के कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा डीएचबीवीएन विभाग के अधिकारियों को तैनात किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम पुलकित मल्होत्रा व डीएसपी गौरव शर्मा ने पोलिंग बूथ का दौरा किया। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने पोलिंग पार्टियों को पूरी निष्पक्षता से चुनाव करवाने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी नियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सतर्कता बनाए रखें और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न हो, जिससे सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। चुनाव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त, मतदान केंद्रों में केवल आवश्यक एवं अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जिनमें मतदाता, उम्मीदवार, उनके चुनाव एजेंट, मतदान अधिकारी एवं चुनाव आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विजय जुलूस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

पुलिसकर्मी पर नशा कर पीटने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ छात्र को पांच जगह चोट, खौफ के चलते नही खाया खाना

कौशिक नगर में 12वीं के परीक्षार्थियों पर पुलिसकर्मी द्वारा बिंडे के साथ पिटाई करने के बाद से दोनों छात्र खौफ में हैं। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद शहर थाना पुलिस ने पुलिस कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मेडिकल जांच में छात्र को पांच जगह पर इंजरी आई है तो दो जगह पर उसने बताया कि गुम चोट हैं। वह ठीक से बैठ भी नही पा रहा तो दो दिन से खाना भी नहीं खाया है। छात्र व उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मी ने नशे की हालत में उनके साथ मारपीट की। उनकी ही गाड़ी को टक्कर मारी और फिर वर्दी का रौब दिखाते हुए बिंडे से उनकी ही पिटाई की।

अलेवा क्षेत्र के गांव बधाना निवासी दिनेश व मनीष ने बताया कि वह 12वीं कक्षा के छात्र हैं। दिनेश को बुखार की शिकायत थी, इसलिए वीरवार को पेपर देने के लिए गाड़ी में गए थे। जाते समय एसडी स्कूल के पास उन्होंने अपनी कार रोकी हुई थी। तभी पुलिस कर्मी ने उनकी कार को साइड मारी और आगे निकल गया। उन्होंने उसे रूकवाने की कोशिश की लेकिन उसने नही रोकी। उन्होंने पीछा किया तो कौशिक नगर में गाड़ी रोक कर पुलिसकर्मी अपनी गाड़ी से बिंडा निकाल लाया और आते ही उनके साथ मारपीट की। पुलिस कर्मी राजेश अंबाला में आईआरबी में हेड कांस्टेबल है लेकिन जींद में वर्दी पहन कर घूम रहा था और नशे की हालत में था। वर्दी की धौंस तथा नशे में ही राजेश ने उनके साथ मारपीट की है। मनीष ने बताया कि शुरूआत में आरोपित पुलिस कर्मी ने उसे और दिनेश को थप्पड़ मारे, इसके बाद बिंडे के साथ पीटने लगा तो उसने वीडियो बना ली। दिनेश ने बताया कि उसे सिर, कंधे, कमर, टांग पर पांच जगह पर इंजरी है। दो जगह गुम चोट लगी है। इस वीडियो को सबूत के तौर पर पेश कर शहर थाना पुलिस को शिकायत दी गई।

सीआईए-1 ने अवैध देसी कट्टे सहित आरोपी दबोचा

कैथल। अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत सीआईए-1 पुलिस द्वारा एक आरोपी को 315 बोर के एक अवैध देसी कट्टे सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए-1 प्रभारी एसआई पारस की अगुवाई में एएसआई कमलजीत की टीम गश्त दौरान खरकां रोड गुहला पर मौजूद थी। जहां पर पुलिस टीम को सहयोगी सुत्रो से गुप्त जानकारी मिली की बेगा बस्ती गुहला निवासी रोहित अपने पास अवैध असला रखता है। जो खरकां रोड गुहला नजदीक सरकारी अस्पताल पर रजबाहा पुलिया के पास है। जिसको दबिश देकर अवैध असले सहित काबू किया जा सकता है। टीम ने मुस्तैदी का परिचय देते खरकां रोड गुहला स्थित उक्त स्थान पर दबिश दे संदिग्ध बेगा बस्ती गुहला निवासी रोहित को काबू कर लिया गया।

दो कारों के बीच हुई भिड़ंत में पांच घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कैथल रोड पर गुरूद्वारा तेग बहादुर के निकट दो कारों के बीच हुई भिड़ंत में पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सभी घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वीफ्ट गाड़ी सवार गांव अजायब रोहतक निवासी हितेश, उसकी बहन व तीन बच्चे कैथल की तरफ से जींद की तरफ आ रहे थे। जींद-कैथल रोड पर अचानक से उनकी कार के आगे दूसरी कार आ गई। जिस से स्वीफ्ट गाड़ी खेतों में जाकर पलट गई और पांचों लोग घायल हो गए। घटना के बाद दूसरी गाड़ी में सवार दोनों लोग मौके पर गाड़ी छोड़ कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पांचों घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

जींद। दिल्ली-बठिंडा रेलवे लाइन क्रॉस करते समय रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है। बैंड मार्केट स्थित रघु नगर निवासी रवि (23) शनिवार सुबह घूमने के लिए निकला था। नहर पुल के पास रेलवे लाइन को क्रॉस करते समय रवि की जेब से सामान नीचे गिर गया। वह इसे उठाने लगा तो इतनी देर में रेलगाड़ी आ गई और वह उसकी चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

लोकतंत्र पहली बार होने वाले नगरपालिका चुनाव को लेकर लोगों में भारी उत्साह

चेयरपर्सन पद के लिए चुनाव मैदान में कुल 7 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे

सीवन नपा चुनाव को लेकर पुलिस ने नगर में निकाला फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन में पहली बार नगरपालिका का चुनाव होने जा रहा है। प्रशासन ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। चुनाव प्रचार बंद हो चुका है और मतदान की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। पहली बार होने वाले नगरपालिका चुनाव को लेकर लोगों में भारी उत्साह भी है। सीवन नगरपालिका में 16 वार्ड बनाए गए हैं, जिन में 82 प्रत्याशी चुनाव मदान में है। चेयरपर्सन पद के लिए चुनाव मैदान में कुल 7 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। इनमें से 1 प्रत्याशी भाजपा से है और बाकी सभी 6 प्रत्याशी निर्दलिय हैं। शनिवार को सुबह के समय पुलिस दल ने नगर में फलैग मार्च किया। बाद में एक दिन की फाइनल रिहर्सल के बाद पोलिंग पार्टियों को ईवीएम की जांच करवाने के बाद बूथ के लिए रवाना कर दिया। सीवन नगरपालिका चुनाव के आरओ कैप्टन परमेश सिंह ने बताया कि सीवन नगर में कुल 16 बूथ बनाए गए हैं। बूथ नम्बर 1 से 4 नगर के कन्या स्कूल में बूथ नम्बर 5 व 6 राजकीय प्राथमिक पाठशाला नजदीक गोगा माड़ी, बूथ नम्बर सात अंबेडकर भवन में, बूथ नम्बर आठ राजपूत धर्मशाला में, बूथ नम्बर नौ से 13 राजकीय माडल संस्कृति स्कूल में, बूथ नम्बर 14 राजकीय प्राथमिक पाठशाला नजदीक स्वर्ग द्वार मन्दिर, बूथ नम्बर 15 व 16 राजकीय प्राथमिक पाठशाला नजदीक शनिदेव मन्दिर सीवन में स्थापित किए गए हैं। चुनाव के लिए सभी प्रकार की तैयारियां पूरी की गई हैं।

सीवन। फ्लैग मार्च करते पुलिस बल। *फोटो :हरिभूमि*

सीवन। मुख्य मार्ग पर पाइप टूटने से बहता पानी। *फोटो :हरिभूमि*

सीवनः पेयजल आपूर्ति की मेन पाइप लाइन फटी

सीवन। सीवन में कैथल पटियाला मुख्य मार्ग पर एचडीएफसी बैंक के सामने पेय जल आपूर्ति की मेन पाइप लाइन फटने से पानी का फव्वारा छूट पड़ा। पानी की रफ्तार इतनी तेज थी कि आस पास का पूरा क्षेत्र जल मग्न हो गया। बैंक के बिलकुल सामने स्कूल की दिवार के पास में सुबह से ली लीकेज हो रही थी। लीकेज के बारे में आस पास के लोगों ने इसकी जानकारी जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को दी। जब शाम के समय पानी का आपूर्ति दी गई तो अचानक से हलकी लीकेज ने तेज रूप धारण कर लिया और पानी की बहुत ऊंची धारा बह निकली। पानी ने अचानक से फव्वारे का रूप ले लिया। पहले तो फव्वारे की ऊंचाई बहुत अधिक थी। बाद में विभाग के कर्मचारियों ने पानी को पीछे से बंद करके पानी को रोका तो पानी की रफ्तार कुछ कम हुई। लेकिन उस समय तक आस पास के काफी क्षेत्र में पानी खड़ा हो गया था।

खबर संक्षेप

वीरेंद्र करसिंधु की टीम ने मारी बाजी

जींद। अतिरिक्त मंडी के पास आयोजित क्रिकेट मैच में वीरेंद्र करसिंधु की टीम ने बाजी मारी। वीरेंद्र करसिंधु की टीम का मुकाबला राजू शर्मा की टीम के साथ हुआ। सात ओवरों के मैच में राजू शर्मा की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 34 रन का स्कोर बनाया। 35 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांच ओवरों में मैच में वीरेंद्र करसिंधु की टीम ने जीत दर्ज की।

सफीदों: बूरा-सिरोही खाप का 12वां स्थापना दिवस आज

सफीदों। बूरा-सिरोही खाप का 12वां स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह दो मार्च को मनाया जाएगा। कार्यक्रम हाट गांव में सुबह 10 बजे से बुटानी मोड़ स्थित बैंक्वेट हॉल में होगा। इस आयोजन का उद्देश्य संस्कृति, संस्कार, धर्म और सम्मान की सुरक्षा करना है। समाज की एकता, भाईचारे को मजबूत करने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर भी जोर दिया जाएगा।

मांगों को लेकर कुम्हार समाज की बैठक नौ को

जींद। अखिल भारतीय प्रजापति (कुम्भकार) संघ कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय उप प्रधान रामकुमार मांडो की अध्यक्षता में कुम्हार धर्मशाला में संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी नौ मार्च को जिले के आम कार्यकर्ताओं की मीटिंग होगी। बैठक में कुम्हार समाज के नेता सूर्यप्रकाश ने विभिन्न मुद्दों को चिन्हित करते समाज की मांगों को समाज के लोगों के सामने रखेंगे।

श्री बांके बिहारी होली महोत्सव पांच को

नरवाना। नरवाना के हुड्डा ग्राउंड में होली के अवसर पर समस्त श्याम प्रेमी द्वारा होली के उपलक्ष्य में एक भव्य श्री बांके बिहारी होली महोत्सव का आयोजन किया जाएगाए जिसमें श्याम भजन सम्राट पुर्णिमा दीदी? वृंदावन वाले व परविंदर पलक फतेहाबाद मुख्य रूप से शामिल होगे?ए जो अपने मधुर भजनों द्वारा लोगों का मन मोहने का काम करेंगे।

एक शाम खाटू वाले के नाम का आयोजन 13 को

जींद। आगामी 13 मार्च को एक शाम खाटूवाले के नाम का आयोजन फायर बिग्रेड के पास वाली मंडी में होगा। श्री श्याम परिवार उचाना मंडी द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है। विकास गर्ग ने बताया कि मुख्य अतिथि के तौर पर उचाना विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्रीए सुषमा अत्री पहुंचेंगी। मंच संचालन शिवम द्वारा किया जाएगा। भजन प्रवाहक पावनी खुरानाए हर्ष गोयल कुरूक्षेत्र बाबा श्याम के गीत प्रस्तुत करेंगे।

वार्षिक उत्सव पर सत्संग और भंडारे का आयोजन

जींद। गांव कैरखेड़ी के श्री कपिलेश्वर महादेव मंदिर का 18वां वार्षिक उत्सव महंत डा. बिक्रमगिरी महाराज पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा की अध्यक्षता में मनाया गया। इसमें सुबह सात बजे से भगवान कपिलेशृवर महादेव का रुद्राभिषेक किया गया। 10 बजे से 12 बजे तक हवन यज्ञ हुआ। इसके बाद भंडारा व सत्संग कीर्तन हुआ।

39वां विशाल भगवती जागरण 29 मार्च को

जींद। शहीदे आजम युवा क्लब के तत्वावधान में 39वां विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन 29 मार्च को पटियाला चौंक स्थित जागरण ग्राऊंड में किया जाएगा। क्लब प्रधान गुलशन सलूजा ने बताया कि जागरण के दौरान जहां आमजन को कन्या भ्रूण न किए जाने को लेकर शपथ दिलाई जाएगी वहीं कन्या महत्ता को लेकर श्रद्धालुओं को प्रेरित किया जाएगा।

घोघड़िया में विश्व शांति व समृद्धि के लिए हवन

जींद। घोघड़िया गांव में मातृशक्ति सेवा समिति द्वारा विश्व शांति, समृद्धि के लिए हवन, कीर्तन का आयोजन किया। महाराजा अग्रसेन मंदिर पुजारी अशोक शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए दादा खेड़ा, दादा नागदेव महाराज के गीतों श्रद्धालु झूमे। शर्मा ने कहा कि मर जाने के लिए थोड़ा सा जहर काफी है पर जिंदा रहने के लिए काफी जहर पीना पड़ता है।

लैंड स्लाइड टीम के निरीक्षण के बाद कार्य में आएगी तेजी

भिवानी रोड अंडरपास के निरीक्षण के लिए आज आएगी लैंड स्लाइड टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मिट्टी खिसकने के बाद दिन-रात चल रहा राहत कार्य, एक सप्ताह से घर में पशु कैद

जींद। जेडी 7 पर चला कार्य। फोटो :हरिभूमि

भिवानी रोड जेडी-7 पर बने रहे रेलवे अंडरपास का कार्य तेजी से चल रहा है। अंडरपास के निरीक्षण के लिए चंडीगढ़ से लैंड स्लाइड टीम रविवार को पहुंचेगी। हालांकि इस टीम के शनिवार को आने की सूचना थी लेकिन अधिकारियों ने बताया कि टीम के आने का शेड्यूल रविवार का बन गया है। अंडरपास का निर्माण अब दो जगह से कर दिया है। पहले जहां रेलवे लाइन के पास शुरू किया था, वहीं अब दूसरे छोर पर भी शुरू कर दिया है, ताकि निर्माण कार्य में तेजी आए और बारिश के दौरान भी मिट्टी खिसकने जैसी घटना न हो। पिछले दिनों जहां मिट्टी खिसकने से गंभीर हालात हो गए थे, वहीं अब हालात काबू हो गए हैं। एचएसआरडीसी के डीजीएम शंशाक कर्मचारियों के साथ वहीं डटे हुए हैं। अंडरपास के लगते एक दीवार भी खड़ी कर दी गई। अब मिट्टी खिसकने की नौबत नहीं आएगी।

गौरतलब है कि भिवानी रोड स्थित जेडी-7 पर 18 करोड़ से रेलवे अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण करीब पांच माह से चल रहा है। पिछले दिनों बारिश आने के कारण एक तरफ मिट्टी खिसक गई थी, जिसके कारण बराबर में बनाया गया नाला गिर गया था और मकानों के आगे 30-40 फीट आगे मिट्टी खिसक गई थी। इससे पशु और लोग मकानों के अंदर ही कैद हो गए थे। वहीं पिछले दिनों डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने निर्माणाधीन अंडरपास का दौरा किया था। उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कार्य को गंभीरता से करने के आदेश जारी किए थे। उन्होंने कहा था कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण ही ऐसे हालात हुए हैं। लोग अपने घरों में ही कैद हो गए हैं। लोगों को भारी परेशानी हो गई है। वहीं उनके लिए खतरा भी बना हुआ है। इसको लेकर डीसी ने एडीसी विवेक आर्य के नेतृत्व में कमेटी का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारी दिन-रात यहां रहकर अंडरपास के कार्य की निगरानी करेंगे। थोड़ी सी भी लापरवाही मिलने च्पर कार्रवाई की जाएगी।

कार्य निरंतर जारी

एचएचआरडीसी शशांक आनंद ने बताया कि रविवार को चंडीगढ़ से लैंड स्लाइड टीम दौरा करेंगी। उसके बाद अंडरपास का कार्य और तेजी रेलवे अंडरपास पर निर्माण कार्य निरंतर जारी है। बारिश से बचाने के लिए दोनों शैडों पर 100-100 मीटर दोनों तरफ पॉलीथिन ढक दिया है, ताकि बारिश में शैड से मिट्टी न खिसके।

पशु घरों में कैद

अंडरपास के लगते कई घरों में आज भी पशु कैद हैं। करीब दस दिन पहले बारिश के कारण मिट्टी खिसकने के कारण तीन-चार मकानों का रास्ता बंद हो गया था। उन मकानों में पशु बंधे हुए थे। मिट्टी खिसकने के बाद पशुओं को बाहर निकालने का कोई रास्ता नहीं बचा था। लोग भी खाली प्लाटों में सीढ़ी लगाकर घरों से बाहर आ रहे थे। अब दस दिन बीत जाने के बाद भी पशु उन्हीं खुटों पर बंधे हुए हैं। लोगों को बाहर से चारा और राशन लाने जैसी समस्या भी पैदा हो गई थी।

जींद। मुकाबलों में भाग लेती टीमें। फोटो :हरिभूमि

फाइनल में पहुंचने के लिए बहाया पसीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में नोर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबाल टूर्नामेंट प्रतियोगिता के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले हुए। सुबह के समय हिंदू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने युवा खिलाडिय़ों को उनका परिचय लेकर के आशीर्वाद दिया और बताया कि कैसे महिला हर क्षेत्र में अपना सक्षम नेतृत्व प्रदान कर सकती है। हरियाणा देश में अंतर्राष्ट्रीय स्थल पर खेलों के क्षेत्र में अहम रोल निभाता है। हरियाणा से बहुत मेधावी खिलाडिय़ों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को खेलों के क्षेत्र में पदक दिए हैं। विश्वविद्यालय खेल के हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। मंच का संचालन डा. वीरेंद्र आचार्य ने किया। खेल निदेशक डा. नरेश देशवाल ने मुख्यातिथि को चिन्ह और शाल भेंट करके सम्मानित किया। इस अवसर पर डा. प्रवीण, डा. अतुल सहारण, मैनेजर डा. संगीता राठी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ये रहे परिणाम

प्रतियोगिता के दूसरे दिन के सुबह के सत्र में एचपी यूनिवर्सिटी शिमला ने मां शाकंभरी यूनिवर्सिटी सहारनपुर को 20-16 के अंतर से हराया। बीआर अंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा व पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के मध्य खेला गया। इसमें पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला 21-6 के अंतर से विजय रही। तीसरा मैच एमडीयू यूनिवर्सिटी रोहतक व डा. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या के मध्य खेला गया। इसमें राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या ने एमडीयू को 22-17 के अंतर से हराया। चौथा मैच डीपीएस कानपुर यूनिवर्सिटी व पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के मध्य खेला गया, जिसमें पंजाब से चंडीगढ़ में 32-06 अंकों से विजय प्राप्त की।

पेपर में काफी प्रश्न आए रद पाठ्यक्रम के: डिंपल

जींद। ऑल इंडिया प्रिंसिपल एसोसिएशन जिला उप प्रधान एवं ओम इंटरनेशनल स्कूल प्रिंसिपल डिंपल अरोड़ा ने कहा कि गुरूवार को हरियाणा शिक्षा बोर्ड का जो दसवीं कक्षा का गणित का पेपर हुआ उसमें जो प्रश्न आए हुए थे पाठ्यक्रम रद्द हो चुका था, उसमें से कई प्रश्न शामिल किए गए थे। कुछ प्रश्न विद्यार्थियों के लेबल से बाहर थे। गणित का पेपर देखते हुए विद्यार्थियों के मन में भय पैदा हो गया कि जो भविष्य में पेपर होने है उनमें भी कही इस तरह के प्रश्न शामिल न हो जाए। गणित का पेपर देख कर विद्यार्थी तनाव में है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, शिक्षा बोर्ड चेयरमैन से मांग है कि इस पर संज्ञान लेते हुए विद्यार्थियों को ग्रेस मार्क दिए जाए। जो पेपर भविष्य में होने है, उनमें जो प्रश्न आए वो चालू पाठ्यक्रम से होने चाहिए ताकि विद्यार्थी संशय में न पड़े।

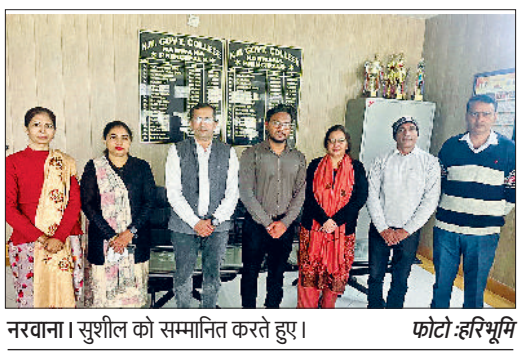

नरवाना। सुशील को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सुशील कुमार ने की यूजीसी नेट परीक्षा पास

नरवाना। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित यूजीसी नेट के परीक्षा परिणाम में के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना के अंग्रेजी विभाग के पूर्व छात्र सुशील कुमार ने यूजीसी नेट की परीक्षा पास कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महाविद्यालय आगमन पर अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर लाल सिंह व अन्य प्राध्यापकों ने इस अवसर पर उनका मुंह मीठा करवाया और उन्हें बधाई दी। कॉलेज प्राचार्या डॉ मीनू सिंह ने पूर्व छात्र को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है। विद्यार्थियों की यह सफलता संपूर्ण स्टाफ सदस्यों के मेहनतए लगन एवं समर्पण भाव तथा विद्यार्थियों की मेहनत का नतीजा है। महाविद्यालय के कई विद्यार्थी पहले भी इस प्रकार की सफलता प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर सज्जन कुमारए प्रोमिला एडॉ सुरेंद्र बेरवाल तथा मुकेश बेनीवाल उपस्थित रही।

राजकीय पीजी कॉलेज में जल संरक्षण पर सेमिनार

सफीदों। नगर के राजकीय पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जल संरक्षण विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने की। सेमीनार में बतौर मुख्यवक्ता भूगोल विभाग के प्रोफेसर डा. हरिओम ने शिरकत की। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. जयविंद्र शास्त्री व रिनू देवी विशेष रूप से मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रोफेसर डा. हरिओम ने कहा कि भारत में जल स्तर के घटने और प्रदूषित जल से भारत की जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग जल संकट से जूझ रहा है। बढ़ती जनसंख्या, उद्योगों का विकास, जल प्रयोग में गलत विधि और ग्लोबल वार्मिंग आदि से जल की उपलब्धता मे कमी होती जा रही है। पृथ्वी पर कुल उपलब्ध जल का 97 प्रतिशत भाग खारा पानी के रूप में है और केवल तीन प्रतिशत भाग पीने योग्य है। उस 3 प्रतिशत भाग में भी 2 प्रतिशत भाग बर्फ के रूप में है और 1 प्रतिशत भाग मीठा जल झील, मिट्टी, बहती नदियां और वनस्पति में निहित है।

सफीदों। सेमीनार में मौजूद अतिथिगण व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

जींद। मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी।

बीमारियों से बचने के लिए स्वच्छता का जरूरी

जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडेला के तहत उपस्वास्थ्य केंद्र रूपगढ़ पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ता देवीराम कौशिक ने रूपगढ़ गांव को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव बारे जागरूक किया। उन्होंने बताया कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है और बारिश भी होने लगी है। बारिश का पानी हमारे घरो की छत पर पड़े कबाड़, खाली मटके, टूटे-फूटे सामान में एकत्रित हो गया है। जिसमें डेंगू का मच्छर पनप सकता है। इसलिए हमें सबसे पहले अपनी छत पर पड़े कबाड़ को हटाना जरूरी है। खाली मटकों को उल्टा करके रखें, जिससे उनमें पानी इकट्ठा न हो। फ्रिज की ट्रे को सप्ताह में एक बार जरूर साफ करें। स्वास्थ्यकर्मी ने डेंगू व मलेरिया से बचाव की जानकारी के पंपलेट बांट कर मच्छरजनित बीमारियों के कारण, लक्षण व बचाव के तरीकों बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी कि डेंगू बुखार संक्रमित मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होता है। इसमें अकस्मात तेज ज्वर, सिरदर्द, आंख में दर्द, जोड़ों व मांसपेशियों में दर्द होता है।

राजकीय वमावि कंडेला में विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्राध्यापक।

राजकीय वमावि कंडेला में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

अलेवा। गांव कंडेला के राजकीय वमावि में भारतीय भौतिक विज्ञानिक सीवी रमन की याद में विद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रधानाचार्य हंसवीर रेढू ने की। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने बढ-चढकर भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्य ने बताया कि समाज में जागरूकता लाने तथा वैज्ञानिक सोच पैदा करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य तथा स्कूल स्टाफ द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि विज्ञान के प्रति बच्चों में रूचि पैदा करने के लिए समय-समय पर विद्यालय स्तर पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाता है ताकि बच्चों में वैज्ञानिक सोच बनी रहे। इस अवसर पर विज्ञान प्राध्यापक अमरजीत, मोनिका, मंजू, रीतू आदि ने विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करने के लिए सभी विद्यार्थियों को प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया।

सचिन और चारु रहे बेस्ट वालंटियर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शनिवार को अंतिम दिन रहा। प्रतिदिन की भांति सुबह की शुरुआत योग अभ्यास से की गई। योग प्रशिक्षक विजेंद्र आर्य ने विद्यार्थियों को योगासन कराया। सात दिवसीय विशेष शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समापन समारोह में बतौर मुख्यअतिथि खादी ग्रामोद्योग के प्रबंधक प्रवीण सैनी ने शिरकत की। कार्यक्रम में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में प्राचार्य सत्यवान मलिक, उपप्राचार्य डा. शमशेर सिंह और योग प्रशिक्षक सूर्य देव आर्य शामिल रहे। प्रवीण सैनी ने विद्यार्थियों से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने हेतु स्वरोजगार और उद्यमिता का महत्व समझने की अपील की।

उन्होंने विद्यार्थियों को खादी यूनिट का दौरा करवाने की पेशकश रखी। जिसे महाविद्यालय प्राचार्य सत्यवान मलिक ने सहर्ष स्वीकार किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को बताया कि राजकीय महाविद्यालय जींद हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है और एनएसएस के विद्यार्थियों से अपेक्षाएं और भी बढ़ जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में हर बुरी चीज से बचने और तकनीक का सही इस्तेमाल करने की अपील की।

जींद। बेस्ट वालंटियर को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

डीएवी स्कूल में नई शिक्षा नीति लागू : रश्मि विद्यार्थी

जींद। नई शिक्षा नीति के तहत नर्सरी से लेकर द्वितीय श्रेणी तक के बच्चों की इस बार डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा परीक्षा ली जाएगी। इसे परीक्षा तो नही कहा जाएगा, यह बच्चे की कला कौशल का मूल्यांकन करेगीद्ध जिसके लिए पेपर, पेन टेस्ट नहीं होगा। बच्चे की वर्ष भर की परफॉर्मेंस के आधार पर जो चेक लिस्ट तैयार की गई है, उसके आधार पर अगली कक्षा में प्रमोशन दी जाएगी। डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य रश्मि विद्यार्थी ने शनिवार को विद्यालय में आयोजित अभिभावकों की सभा को संबोधिता करते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति विद्यालय में लागू कर दी गई है। इस कारण बहुत सारे अभिभावक अनेक प्रश्नों के साथ उपस्थित थे। रश्मि विद्यार्थी ने बताया कि बच्चों के चंहुमुखी विकास और उसमें छिपी हुई प्रतिभा को तलाश करके एक सही दिशा देना अध्यापक का काम है। जिसमें हम सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

आस्था अप्रैल से दिसंबर तक कुल 42 शुभ विवाह मुहूर्त मिलेंगे

होली पर्व के बाद लगेगी मांगलिक कार्यों पर रोक, खरमास होगा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

होली पर्व के बाद मांगलिक कार्यों पर रोक लगने जा रही है। 13 मार्च को होली का पर्व है और इसके बाद 14 मार्च को खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास में मांगलिक कार्य पूरी तरह से बैन हो जाते हैं। एक माह बाद 13 अप्रैल को खरमास समाप्त होगा। इसके बाद ही मांगलिक कार्य शुरू होंगे। ऐसे में मार्च माह में मांगलिक कार्यों के लिए 11 दिन ही शेष बचे हैं। इन दिनों में अगर किसी ने विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्य करने हैं तो वो कर सकते हैं। अगर इस अवधि में ऐसा नही किया जाता है तो फिर एक माह बाद 13 अप्रैल को खरमास समाप्त होने पर ही मांगलिक कार्य किए जा सकेंगे। 13 मार्च को रात 10:37 बजे के बाद से पूर्णिमा लग रही है। इसी दिन होलिका दहन होगा। 14 मार्च को होली मनेगी। वर्ष 2025 में विवाह के शुभ मुहूर्तः इस वर्ष अप्रैल से दिसंबर तक कुल 42 शुभ विवाह मुहूर्त हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार खरमास समाप्त होने के बाद विवाह के लिए सर्वोत्तम तिथियां अप्रैल 2025 में 14 अप्रैल, 16 अप्रैल, 18 अप्रैल, 19 अप्रैल, 20 अप्रैल, 25 अप्रैल, 29 अप्रैल, 30 अप्रैल रहेगी। मई माह में : मई 2025 में विवाह के मुहूर्त 5 मई, 6 मई, 7 मई, 8 मई, 13 मई, 17 मई, 28 मई, जून 2025 में विवाह के मुहूर्त 1 जून, 2 जून, 4 जून, 7 जून, 8 जून, 9 जून, 10 जून, 11 जून से गुरु अस्त होने के कारण विवाह पर रोक लग जाएगी। छह जुलाई से देव शयन दोष लग जाएगा। जिसके कारण 21 नवंबर तक विवाह नही होंगे। इसके बाद 22 नवंबर से पुनः शुभ मुहूर्त शुरू होंगे। नवंबर में विवाह के मुहूर्त 22 नवंबर, 23 नवंबर, 25 नवंबर, 30 नवंबर, दिसंबर 2025 में विवाह के मुहूर्त 4 दिसंबर, 11 दिसंबर रहेगा।

होलिका दहन 13 मार्च के दिन होगा

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि इस साल फरवरी से दिसंबर तक कुल 42 विवाह मुहूर्त हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से होलाष्टक शुरू होता है, यह फाल्गुन पूर्णिमा यानी होलिका दहन तक रहता है। इस दौरान शादी, मुंडन, नामकरण, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। इस अवधि में सभी ग्रह उग्र अवस्था में होते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इसलिए शुभ कार्यों पर रोक रहती है। इस साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि 13 मार्च को सुबह 10 बजकर 25 मिनट से आरंभ हो रही है। पूर्णिमा तिथि का समापन अगले दिन यानी 14 मार्च को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट पर हो रहा है। पंचांग में उदया तिथि महत्वपूर्ण कही जाती है। इसलिए उदया तिथि के अनुसार होलिका दहन 13 मार्च के दिन होगा। होलिका दहन के बाद होली खेली जाती है। तो इस लिहाज से रंगों वाली होली 14 मार्च होगी।

जींद। जागरूकता वैन को रवाना करते सीजेएम मोनिका। फोटो :हरिभूमि

सीजेएम ने जागरूकता वैन को दिखाई हरी झंडी

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा भेजी गई ट्रैवलर वैन को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रैवलर वैन गांवों में जाकर कानूनी जागरूकता के बारे में जागरूक करेगी। सीजेएम मोनिका ने बताया कि ट्रैवलर द्वारा शनिवार को गांव रामराये, गुलकनी में कानूनी जागरूकता का आयोजन किया गया। इसके इलावा आने वाले दिनों में गांव तलौडा, खेडी, अलेवा, हसनपुर, पडाना खटकड़, सच्चा खेडा सहित जिला के विभिन्न गांवों में कानूनी जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। सीजेएम ने आमजन को मुफ्त कानूनी सहायता, नालशा हैल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हैल्पलाइन नंबर 01681-245048 व नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर किसी भी तरह की कानूनी जानकारी घर बैठे ले सकते हैं या किसी भी कार्य दिवस को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

कुशलपाल सैन बने कैथल के जिलाध्यक्ष

कैथल। सैन समाज वेलफेयर कोर कमेटी हरियाणा ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए कुशलपाल सैन को जिलाध्यक्ष कैथल नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से समाज में खुशी की लहर है, और सभी ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

चोरों ने आभूषण व लाखों रुपये की नकदी चुराई

राजौंद। कसान गांव में एक मकान से चोर आभूषण व लाखों रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। इस मामले में राजौंद थाना में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। राजौंद थाना में दी गई शिकायत कसान गांव निवासी सुशीला देवी ने बताया कि 26 फरवरी को उसका गांव के ही महाबीर से झगड़ा हो गया था। ऐसे में वह अपने बच्चों को लेकर बाहर चली गई थी।

कैथल में कार की चपेट में आने से एक घायल

कैथल। गांव सिरसल में कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। गांव सरना खेड़ी जिला जींद की सोनिया ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 15 नवंबर को जब वह अपने पति अजय के साथ गांव सिरसल से गुजर रही थी तो एक अज्ञात कर चालक ने अपनी कर को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसके पति अजय को घायल कर दिया।

शहीद भीष्म सहारण की याद में करवाई प्रतियोगिता

कबड्डी स्पर्धा में बधावड़ हिसार की टीम ने जीता 31000 का इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शहीद भीष्म सहारण की याद में कैथल जिले के गांव खरक पांडवा में शहीद भगत सिंह खेल समिति के तत्वावधान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस आजोयन में हरियाणा व पंजाब की कबड्डी टीमों ने लिया प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी टीमों ने अपना दम दिखाया। समिति की ओर से लाखों रुपए की पुरस्कार राशि रखी गई थी। प्रथम विजेता टीम को 31 हजार उपविजेता टीम को 21 हजार तृतीय स्थान, चतुर्थ स्थान पर रखने वाली टीमों की दिया गया 5100,व 3100 हजार का इनाम दिया गया।प्रथम विजेता टीम रही बधावड़ हिसार रही।

युवा शहीद भगत सिंह खेल कमेटी के प्रधान अशोक संधू ने बताया की खरक पांडवा में हुए कबड्डी खेल आयोजन के निर्णायक मैच में बधावड़ की टीम ने अलेवा की टीम को हरा दिया। बदलते मौसमी मिजाज हल्की बूंदाबांदी होने के कारण ग्राउंड पर फाइनल मैच का इंतजार में दर्शक बैठे रहे। प्रथम विजेता टीम को 31000 द्वितीय टीम को 21000 से सम्मानित किया गया।बेस्ट रेडर व बेस्ट कैच्चर को एक-एक वाशिंग मशीन उपहार स्वरूप दी गई है।

कैथल। अव्वल रही टीम को सम्मानित करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

यूं रहे परिणाम

प्रतियोगिता का फाइनल मैच बधावड हिसार की टीम ने अलेवा जींद को हराकर प्रतियोगि अपने नाम कर ली ।बधावड़ की टीम अलेवा के बीच हुआ कांटे की टक्कर वाले इस मुकाबले में बधावड़ के टीम ने बाजी मार ली, दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शक दीर्घा का खूब मनोरंजन किया ,पूरे हरियाणा से भाग लेने पहुंचे हटे-कटे खिलाड़ियों ने खेल मैदान पर अपने जोहर दिखाएं। बुजुर्गों ने रस्सा कसी के खेल वह बुजुर्गों की रेस में दिखाया अपना दम कबड्डी खेल प्रतियोगिता के बीच बुजुर्गों में भी रस्साकशी व दौड़ में भाग लिया।

खरक पांडवा के राहुल को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए भेंट की मोटरसाइकिल

उप प्रधान सुरेंद्र सारन ने बताया कि खरक पांडवा के होनहार युवा खिलाड़ी राहुल ने देशभर में हो रही कबड्डी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर गांव के नाम को रोशन किया है राहुल की उपलब्धि पर समस्त ग्राम खरक पंडवा व शहीद भगत सिंह खेल समिति द्वारा राहुल को मोटरसाइकिल देकर सम्मानित किया गया है।

एसपी की टीम ने नशा ना करने के बारे में किया गया जागरूक

शुक्रवार को पीएसआई रामलाल, एएसआई ओमप्रकाश व होमगार्ड शमशेर सिंह की टीम द्वारा खरक पांडवा कबड्डी खेल आयोजन मे पहुंच कर नशे के लेकर किया जागरूक किया।भारतीय किसान यूनियन संयोजक गुरनाम सिंह सहारण, सरपंच प्रतिनिधि सुरेश सहारण, पूर्व सहारण का प्रधान रामपाल सारण, दिलबाग सहारण, पत्रकार नरेंद्र सहारण मुख्य अतिथि के तौर पर सिरकत की ।

प्रतिवर्ष होता है कबड्डी स्पर्धा का आयोजन

शहीद भीष्म के चाचा दिलबाग सहारण ने बताया कि भारतीय नौसेना में सेवाएं देते समय गांव ने अपने होनहार बेटे भीष्म को खो दिया था। भीष्म का खेलों के प्रति बड़ा लगाव था, युवावस्था में भीष्म के मन में देश सेवा का जज्बा था पढ़ने में होशियार होनहार भीष्म ने परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय नौसेना ज्वाइन की थी एक अप्रिय दुर्घटना और बड़े हद से कारण हमने भीष्म को खो दिया, शहीद गांव वासियों के दिलों में सदैव जिंदा रहे इसी उद्देश्य के साथ प्रतिवर्ष खेलों का आयोजन समस्त गांव के सहयोग से करवाया जाता है, जिसमें सभी ग्रामीण बच्चे, युवा, बुजुर्ग ,बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

ये है खेल समिति के सदस्य

अशोक संधू ,मनदीप सहारण,सुनील मैनेजमेंट ,सुरेन्द्र ठेकेदार,गुरनाम सहारण,बलीन्द्र खरक,पोली सहारण,राजा सहारण,सदीप सहारण,दीपक सहारण,सुमित सहारण,प्रदीप सहारण,अनील खरक,सुखबीर प्रधान आदि उपस्थित थे।

कैथल। द लायंज क्लब ऑफ पंचकूला द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक्सिस अवार्ड से सम्मानित मधुल गोयल मधुल एवं अन्य । फोटो :हरिभूमि

कवयित्री मधु सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

साहित्य सभा कैथल की महिला प्रतिनिधि एवं कवयित्री मधु गोयल मधुल को द लायंस क्लब ऑफ पंचकूला की अगुवाई में विश्व एनजीओ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पंचकूला में आयोजित इस कार्यक्रम में मधु गोयल मधुल को यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में काव्य के माध्यम से उन द्वारा की गई उत्कृष्ट परफॉर्मेंस के लिये दिया गया। यह सम्मान उन्हें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्य मंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी, विजय देशवाल, डीआईजी हरियाणा राज्य रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. मुकेश अग्रवाल,पर्वतारोही एवं डीएसपी ममता सौदा के कर-कमलों से, क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की करतल-ध्वनि के बीच प्राप्त हुआ। मधु गोयल मधुल को शॉल ओढ़ाकर, 2100 रुपये की धनराशि, प्रतीक चिह्न और सम्मान-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मधु गोयल मधुल को कैथल जिले से विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। मधु गोयल मधुल के सम्मानित होने पर साहित्य सभा और नगर के साहित्य-प्रेमियों में उल्लास का वातावरण बना हुआ है और उन्हें बधाई संदेश मिल रहे हैं।

14 नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की इकाई कैथल का त्रि वार्षिक सम्मेलन 11 को नगर परिषद कैथल में होगा

कैथल। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा सम्बद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर कैथल मे जिला प्रधान गौरव टाँक की अध्यक्षता मे विस्तारित मीटिंग पेहवा चौक फायर स्टेशन पर हुई। संचालन जिला सचिव विक्की टांक ने किया। मिटिंग मे राज्य महासचिव मांगेराम तिगंरा ,राज्य उपप्रधान राजेश बागड़ी,राज्य उपप्रधान राजेंद्र सिनन्द,राज्य मुख्य संगठन कर्ता शिवचरण राज्य कमेटी सदस्य जयप्रकाश उपस्थित हुए। राज्य कमेटी के फैसलो पर बोलते हुए कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर हरियाणा प्रदेश की तमाम पालिकाओ परिषदो व नगर निगमो मे कर्मचारी यूनियन के चुनाव की घोषणा 8 दिसंबर को रोहतक में संघ द्वारा आयोजित राज्य कन्वेंशन में की गई है जिसके तहत नगर परिषद कैथल में कर्मचारियों को यूनियन का चुनाव के लिए आज कर्मचारियों के विस्तारित मिटिंग बुलाई।

समाज सेवा के लिए आगे आएं युवाः डॉ. मुकेश अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल को सम्मानित करते अधिकारी

राजकीय महाविद्यालय कैथल में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के अंतिम दिन के प्रथम सत्र में अशोक लेलैंड ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट से पुनीत धीमान, ट्रेनिंग मैनेजर ने सड़क सुरक्षा विषय पर अपनी बात रखी ।

उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों की अवहेलना नही करनी चाहिए। कार चलाते हुए सीट बैल्ट का प्रयोग और लो बीम लाइट का प्रयोग करना चाहिए। दोपहिया वहां का प्रयोग करते हुए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए । दूसरे सत्र में डॉ. अभिषेक गोयल ने युवाओं से आह्वान किया है कि विद्यार्थी जीवन महत्वपूर्ण होता है, इस लिए विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य ठान लेना चाहिए और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया और जनकल्याण व समाज कल्याण के कार्यों के लिए आगे आने का आह्वान किया। समापन सत्र में मुख्यातिथि के तौर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल ने शिरकत की । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना में सेवा शब्द जुड़ा है, स्वयंसेवकों का स्थान समाज में सबसे उच्च है।

पाई में शुरू हुआ सीवरेज सफाई का कार्य, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

पाई। हल्का विधायक सतपाल जांबा के प्रयासों से पाई की जनता को राहत मिलती दिखाई दे रही है। उल्लेखनिय है कि पाई के कुछ लोगों के द्वारा कुछ समय पूर्व हल्का विधायक सतपाल जाम्बा को पाई के सीवरेज गंदगी से अटे हुये होने की शिकायत की थी। जिस पर विधायक ने पाई का दौरा कर समस्या को जाना था। उस समय उन्होंने सीवरेज व्यवस्था में अनेक अनिमियतता मिली थी। सीवरेज गंदगी से बालब भरे पड़े थे और गलियों में सीवरेज में से निकलकर बह रहा था। इस पर आज पाई में सीवरेज साफ करनेवाली बड़ी- बड़ी मशीने पहुंची और कर्मचारी सीवरेजों के मेन होल के ढ़क्कन हटाते नजर आये। जिस पर लोगों ने राहत की सांस ली और हल्का विधायक का धन्यवाद किया। ग्रामीण सतपाल, महेंद्र, राम कुमार, वीरेंद्र आदि ने बताया कि अब सीवरेज सफाई के लिये मशीने आ ही गई तो गांव के सारे सीवरेजों की सफाई होनी चाहिये। अब से सीवरेज डाले गये है, तब से इनकी कोई साफ- सफाई नही की गई।

महात्मा आनंद स्वामी की स्मृति में डीएवी कॉलेज पूंडरी में भव्य समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पुण्डरी

डीएवी कॉलेज पूंडरी में महात्मा आनंद स्वामी जी की स्मृति में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री एवं आर्य रत्न डॉ. पूनम सूरी उपस्थित रहे। वे डीएवी कॉलेज प्रबंधकारी समिति, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रमुख भी हैं। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी मनी सूरी जी भी समारोह में सम्मिलित हुईं। समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष तंवर ने पद्मश्री व आर्य रत्न डॉ. पूनम सूरी जी का अभिनंदन किया और उन्हें शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान डॉ. पूनम सूरी ने कॉलेज के यज्ञशाला तथा महात्मा आनंद स्वामी हॉल का उद्घाटन किया। डॉ. पूनम सूरी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि मार्च 1943 में महात्मा खुशहाल चंद एवं बाबा गुरमुख सिंह के नेतृत्व में आर्य समाज के अन्य महापुरुषों ने मिलकर राजौंद गांव में आर्य समाज आंदोलन की नींव रखी थी। इसी दिन समाज ने राजौंद में डीएवी संस्था की स्थापना भी की थी।समारोह के अंतर्गत समाज सेवा के उद्देश्य से 101 गरीब व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए व 51 निर्धन छात्राओं को स्टेशनरी सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर समाजसेवी बलवीर सिंह मोहना और गुजरात से आए उद्योगपति ओमप्रकाश डी. सूरी ने भी सेवा कार्यों में अपना सहयोग दिया।

पूंडरी। डीएवी कॉलेज में हाल का उद्घाटन करते हुए ।

सात दिवसीय होलात्मक महायज्ञ दूसरे दिन भी रहा जारी

कैथल। श्री हनुमान मंदिर सुधार समिति की ओर से हनुमान वाटिका के मंदिर में आयोजित सात दिवसीय होलात्मक महायज्ञ शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। दूसरे दिन आयोजित हुए महायज्ञ के दूसरे दिन 35 यजमानों में आहूतियां डाली। बता दें कि इस कार्यक्रम में वाराणसी से पहुंचे आचार्य वीनित अवस्थी ने अपने 30 ब्राह्मणों की टीम के साथ यज्ञ में पूजा-अर्चना करवाते हैं। जबकि इस कार्यक्रम की देखरेख मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित विशाल शर्मा की ओर से की जा रही है। मंदिर समिति की कार्यकारिणी के अनुसार यह यज्ञ छह मार्च तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे शुरू होगा। मंदिर समिति के प्रधान कैलाश बंसल ने बताया कि महायज्ञ में शहरवासी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। दूसरे दिन 35 यजमानों ने पूजा-अर्चना कर हवन आहूति डाली। इसमें रमेश बंसल, सुभाष बंसल, अशोक गर्ग, बालकिशन, सरल शांत मंगल, अनिल मित्तल, शंटी बंसल, सोनिया राहुल खुरानिया, परवीन जैन, राजेश सैनी, निधि गर्ग, कृष्ण लाल, राकेश अग्रवाल, राजकुमार गोयल, राजीव प्रिंस, धर्मबीर पटवारी, राजीव लाटका, दिनेश भारद्वाज,नवनीत गोयल, राधाकृष्ण मित्तल, रोहण मित्तल, संदीप चौधरी, जयदीप चौधरी, दीपक सेठ, विनय वर्मा, विपुल खुरानिया, दलीप चंद, सवेश सेठ, गिरिश शोरेवाला, मेघराज शर्मा, रामकुमार, राजकुमार व सुनील चौधरी आदि शामिल रहे।

फाल्गुन महोत्सव का मेहंदी रस्म के साथ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

गांव सिसला में स्थित शीश दान भूमि सिसला धाम में हर वर्ष की भांति इस बार भी फाल्गुन महोत्सव का मेहंदी रस्म के साथ शुरू किया गया। जिसमे मुख्यातिथि के रूप में पहुंची कैथल नगरपरिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने भाग लेकर मेहंदी लगाकर महोत्सव का शुभारंभ किया। जो 1 मार्च से 14 मार्च तक चलेगा। जिसमें देशभर से श्रद्धालु पहुंचेंगे और आमंत्रित कलाकार बाबा सिसला श्याम के दरबार में अपनी हाजिरी लगाएंगे। 2 मार्च को भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। इसमें श्रद्धालु निशान लेकर बाबा के दरबार में पहुंचेंगे और श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। 3 से 9 मार्च को नियमित संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसमें भक्तगण भक्ति गीतों और संकीर्तन के माध्यम से बाबा का गुणगान करेंगे। 10 मार्च को हवन-यज्ञ एवं विशाल भंडारा आयोजित होगा। इस दिन विशेष रूप से बाबा का भव्य संकीर्तन होगा। इसमें लाखों श्रद्धालु बाबा सिसला श्याम के दर्शन करेंगे और प्रसाद ग्रहण करेंगे। जिसके लिए काफी प्रसिद्ध कलाकार दीपक शर्मा, शमशेर व जगीर सिंह आमंत्रित किए गए है, जोकि अलग-अलग दिन अपनी प्रस्तुति देंगे। 11 और 12 मार्च को संकीर्तन कार्यक्रम होंगे। इसमें भजन संध्या और बाबा के जयकारों से माहौल भक्तिमय बनेगा। 13 मार्च को होली उत्सव मनाया जाएगा। इसमें श्रद्धालु एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर प्रेम और भक्ति का संदेश देंगे। 14 मार्च को फाग उत्सव के साथ इस महोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। प्रसाद वितरण, भंडारे, ठहरने और पेयजल की उत्तम व्यवस्था की गई है।

पूंडरी। फाल्गुन महोत्सव का शुभारंभ करते हुए। फोटो :हरिभूमि

मुंदरी विद्यालय के तीन बच्चों ने पाया प्रथम स्थान

कैथल। 1 मार्च 2025 को आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल गंयोग में पठन वर्धन मास मनाया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियोगिता करवाई गई जिनमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया जैसे डिबेट, वर्तनी , स्पेल बी, स्टोरी राइटिंग, कविता लेखन इत्यादि। इस कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुंदड़ी के बच्चों ने भी भाग लिया और तीन इवेंट में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया ।स्कूल प्राचार्य सुरेश कुमार के मार्गदर्शन में और कार्यक्रम प्रभारी अंग्रेजी प्रवक्ता खुशीराम धीमान के नेतृत्व में इन बच्चों ने प्रथम स्थान हासिल किया। पलक सुपुत्री श्री कर्मवीर ने टेंस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। नेहा ने कविता लेकिन में प्रथम स्थान हासिल किया व खुशी ने कहानी लेखन में प्रथम स्थान हासिल किया। सभी विद्यालय स्टाफ ने बच्चों को बधाई दी और आगे जिला स्तर पर भाग लेने के लिए पूरी लगन व मेहनत से तैयारी करने को कहा। इस अवसर पर गणित प्रवक्ता सुंदर सिंह रविस, हिंदी प्रवक्ता राजवीर सिंह, कंप्यूटर अध्यापक संदीप गोलन, मैडम संतोष कुमारी, सुनिता देवी, पुष्पा देवी, गीता देवी, कुमारी पूजा, पीटीआई रामेश्वर धारीवाल, सुनील , आरती ,आदि स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में सभी मतदाता करें बढ़चढ़ कर मतदानः प्रीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी दो मार्च को नगर पालिका सीवन, कलायत तथा पूंडरी में अध्यक्ष एवं पार्षद पद के लिए मतदान होगा।

इसमें सभी मतदाता बढ़चढ़ भाग लें और अपने मताधिकार का बिना किसी डर, भय और लालच के उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारत में सभी वर्गों के लोगों को मतदान का समान अधिकार मिला है। लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी को मतदान करके अपने आप को गौरवान्वित महसूस करे। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें सभी को वोट डालने का अधिकार है। पुरूषों के साथ-साथ महिलाओं को भी शत-प्रतिशत मतदान करना चाहिए। चुनाव में एक-एक मत बहुत कीमती होता है। एक वोट से किसी की हार और किसी की जीत हो सकती है। मतदाताओं को अपने आप पर गर्व महसूस करना चाहिए कि हमें अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कलायत, सीवन तथा पूंडरी में प्रधान तथा वार्ड सदस्यों के लिए हरेक मतदान केंद्र में दो अलग अलग ईवीएम के माध्यम से मतदान करवाया जाएगा।

ये दस्तावेज दिखाकर किया जा सकता है मतदान

डीसीने बताया कि वोट डालने के लिए वोटर कार्ड के अलावा अन्य वेकल्पिक दस्तावेजों में ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, केंद्रीय, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, स्वतंत्रता सेनानी का फोटोयुक्त आईडी कार्ड, फोटोयुक्त जाति प्रमाण पत्र, फोटोयुक्त दिव्यांग प्रमाण पत्र, आर्म्स लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त रजिस्ट्री, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड और पासपोर्ट शामिल हैं।

मुहिम डीएसपी बीर भान ने गांव दिल्लोवाली, बाबा लदाना, नौच व बलवंती का किया दौरा

नशा एक सामाजिक बुराई है, इसे हम सबको मिलकर जड़ से उखाड़ना होगा

अपराधों को रोकने के लिए आमजन का सहयोग जरूरीः डीएसपी बीरभान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शनिवार को डीएसपी बीर भान द्वारा गांव दिल्लोवाली, बाबा लदाना, नौच व बलवंती में जाकर ग्रामीणों व मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएसपी बीर भान ने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए आमजन का सहयोग बहुत जरूरी है जिसके बिना यह काम असंभव है। कहा जाता है कि नशा ही सब अपराधों की जड़ है इसलिए नशे को समाप्त करना पुलिस और जनता का प्रथम कर्तव्य है। मौजूदा दौर में नशा समाज और देश को खोखला कर रहा है और देश का भविष्य युवा गर्त की ओर जा रहा है। यदि हम नशे पर काबू पा लेते हैं तो काफी हद तक अन्य अपराध भी कम हो जायेंगे। डीएसपी ने इस दौरान मौजूद व्यक्तियों की समस्याओं को सुना और उनका निवारण करने का आश्वासन दिया तथा आमजन से अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। डीएसपी ने कहा कि कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसे हम सबको मिलकर जड़ से उखाड़ना होगा। इस मुहिम में हर व्यक्ति अपना योगदान दें और अपनी जिम्मेदारी को समझें तथा समाज के प्रति अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

■ डीएसपी ने कहा कि कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इसे हम सबको मिलकर जड़ से उखाड़ना होगा

कैथल। डीएसपी बीरभान ग्रामीणों को जागरूक करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सरसों की फसल बिछी, सोलर प्लेटें टूटीं, किसानों ने मांगा मुआवजा

जिले में ओलावृष्टि और तेज बरसात से खेतों में बिछी फसल, किसान चिंतित

20 से ज्यादा गांवों में गेहूं, सरसों फसल को नुकसान पहुंचा। बारिश तथा ओलावृष्टि के चलते तापमान में आई गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। बारिश तथा ओलावृष्टि से बिछी फसल तथा आसमान में छाई काली घटाएं।

जींद। भौंगरा गांव में पड़े ओले हाथ में रखकर दिखाता हुआ किसान।

जिला में शुक्रवार रात को तेज हवाओं के साथ हुई बारिश व ओलावृष्टि ने किसानों को खून के आंसू रूला दिए। 20 से ज्यादा गांवों में लगभग 20 मिनट तक लगातार ओलावृष्टि हुई। जिससे खेतों में खड़ी सरसों की फसल का फल झड़ गया तो तेज हवाओं से गेहूं की फसल बिछ गई।

इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं शनिवार को तीसरे दिन भी बारिश लगातार रूक-रूक कर जारी रही। हालांकि शुक्रवार रात को कई जगह ओलावृष्टि भी हुई। जिससे खेत में खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा। सरकार ने बारिश तथा ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल भी खोल दिया है।

जिस पर किसान दस मार्च तक अपनी बर्बाद हुई फसल का ब्यौरा दर्ज करवा सकते हैं। इससे पहले 20 फरवरी को भी वर्षा के साथ नरवाना, उचाना और जींद के 40 से ज्यादा गांवों में ओलावृष्टि हुई थी।

पिछले 24 घंटों में कहां कितनी वर्षा हुई

खंड	वर्षा हुई
जींद	2.2 एमएम
नरवाना	05 एमएम
सफीदों	02 एमएम
जुलाना	बूंदाबांदी
उचाना	05 एमएम
पिल्लूखेड़ा	02 एमएम
अलेवा	05.4 एमएम

बारिश तथा ओलावृष्टि से तापमान में आई गिरावट

बारिश तथा ओलावृष्टि से तापमार में गिरावट आई है। शनिवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि हवा की गति पांच किलोमीटर प्रतिघंटा रही वहीं मौसम में आद्रता 70 प्रतिशत बनी रही। शुक्रवार देर शाम को उचाना खंड के गांव बुडायन, भौंगरा, दुर्जनपुर, उचाना कलां, खापड़, बरसोला, खटकड़, बड़ौदा, रोजखेड़ा, घोघडियां, कुचराना कलां, कुचराना खुर्द, छात्तर, बधाना, नगूरां समेत 20 से ज्यादा गांवों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है। किसान रोहताश, प्रवीण ने बताया कि तेज हवा के साथ ओलावृष्टि से गेहूं व सरसों की फसल को नुकसान पहुंचा है। वहीं कई किसानों के खेतों में लगी सोलर प्लेटें भी टूट गई हैं। गेहूं की अधेती फसल में बालियों में दाना बनना शुरू हो चुका है। ऐसे में फसल गिरने से और ओलावृष्टि से उत्पादन घटेगा। वहीं सरसों की फसल पकने वाली है।

लगातार 15 से 20 मिनट तक ओले पड़े

जींद। उचाना क्षेत्र में शुक्रवार रात को ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। कई गांवों में लगातार 15 से 20 मिनट तक ओले पड़े। जिसके चलते खेतों में खड़ी सरसों की फसल का फल झड़ गया तो तेज हवाओं से गेहूं की फसल बिछ गई। खेतों में सौर ऊर्जा सबमर्सिबल के लिए लगाई प्लेटें टूट गई। इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। कृषि विभाग के अनुसार जिन किसानों को नुकसान हुआ है, वह सरकार द्वारा खोले गए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 10 मार्च से पहले अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

10 मार्च तक किसान पोर्टल पर करें आवेदन : डीसी

जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार की तरफ से क्षति पूर्ति पोर्टल खोला गया है। उन्होंने बताया कि 10 मार्च तक किसान पोर्टल पर फसल में हुए नुकसान की शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

आगे मौसम खुश्क व परिवर्तनशील रहेगा

कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिंडारा से मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश कुमार ने बताया कि ओलावृष्टि व तेज हवा से गेहूं व सरसों की फसल में नुकसान हो सकता है। आगामी दिनों में मौसम खुश्क व परिवर्तनशील रहने की संभावना है।

40 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार : ढुल

भारतीय किसान यूनियन के प्रेस प्रवक्ता रामराजी ढुल पोंकरी खेड़ा ने कहा कि शुक्रवार को हुई बारिश के बाद चली तेज हवाओं और ओलावृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। सरकार किसानों को 40 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे। किसानों को फसल खराबे के उचित मुआवजे की मांग को लेकर जल्द ही डीसी और कृषि विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। दो दिन पहले तक किसान खुश थे और अच्छी पैदावार की उम्मीद थी लेकिन शुक्रवार की रात हुई ओलावृष्टि ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया। ओलावृष्टि से उचाना क्षेत्र में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। गेहूं और सरसों की फसल में ओलावृष्टि का काफी नुकसान हुआ है। 50 प्रतिशत से ज्याद उत्पादन पर असर पडने की संभावना है। सरकार को चाहिए कि किसानों के जख्मों पर मरहम लगाते हुए कम से कम 40 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से फसल खराबे का मुआवजा दिया जाए।

सफीदों में निकाली बाबा खाटू श्याम की शोभायात्रा

सफीदों। शोभायात्रा में कलश व निशान उठाए हुए महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

- 'हारे के सहारे' के भजनों पर झूमे श्रद्धालु
- आज होगी बाबा खाटू श्याम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सफीदों

नगर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री सतनारायण मंदिर में चल रहे श्री खाटू श्याम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर नगर में शनिवार को भ्व्य बाबा खाटू श्याम शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने शिरकत की। मंदिर समिति के प्रधान राकेश गोयल ने चेयरमैन श्रवण गर्ग का स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया। ख्वेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने ध्वज दिखाकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

यह यात्रा नगर की पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री सतनारायण मंदिर में प्रारंभ होकर नहर पूल व रेलवे रोड़ से होते हुए प्रारंभ स्थल पर आकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान महिलाएं पीले वस्त्र धारण करके सिर पर कलश व हाथ में बाबा श्याम का निशान उठाए चल रहीं थी। वहीं श्रद्धालु डीजे पर बज रहे बाबा श्याम के भजनों पर झूमते हुए चल रहे थे। वहीं श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा की गई। वहीं श्याम भक्तों ने जमकर रंग गुलाल खेला। यात्रा के दौरान पूरी सफीदों नगरी हारे के सहारे की जय, बाबा श्याम की जय व खाटू नरेश की जय के गगनभेदी उद्घोषों से गूंज उठा। यात्रा का नगर के बाजारों में भव्य स्वागत किया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। अपने संबोधन में हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि बाबा श्याम की महिमा अपरमपार है। बाबा खाटू श्याम के दरबार में जो भी आता है खाली हाथ नहीं लौटता है। खाटू श्याम बाबा हारे के सहारे हैं। उनके सम्मुख जो कोई भी शीश नवाकर मनोकामना मांगता, वह जरूर पूरी होती है।

खाटू श्याम बाबा को भगवान श्रीकृष्ण ने वरदान दिया था कि कलयुग में वे पूजे जाएंगे। खाटू श्याम बाबा का तात्पर्य है मां सैव्यम पराजित यानी जो हारे और निराश लोगों को सहारा देते हैं। मंदिर समिति के प्रधान राकेश गोयल भोला ने बताया कि मंदिर में हारे के सहारे बाबा श्याम की प्रतीमा की प्राण प्रतिष्ठा करवाई जा रही है। बाबा श्याम चुलकाना धाम से पदयात्रा करके ज्योति लाई गई है।

खबर संक्षेप

आज और 12 मार्च को होगा ड्राई-डे : प्रीति

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने कहा कि कैथल जिले में नगर निकाय क्षेत्र, जहां-जहां चुनाव होने हैं, ऐसे क्षेत्रों में स्थित सभी शराब की दुकानें, बार, पब, माइक्रोब्रूवरीज आदि मतदान से एक दिन पहले, मतदान के दिन व मतगणना के दिन बंद रहेंगी। डीसी प्रीति ने कहा कि नगर निकायों के आम चुनाव दौरान संबंधित क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में सभी शराब लाइसेंसधारियों को सूचित कर दिया गया है।

बाबा गैबी साहब मंदिर का वार्षिकोत्सव-भंडारा आज

नरवाना। बाबा गैबी साहब मंदिर के वार्षिक उत्सव का प्रोग्राम शनिवार 1 मार्च को रामायण पाठ के साथ शुरू हो गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 मार्च दिन रविवार को सुबह 8रू30 बजे हवन यज्ञ किया जाएगा। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महंत अजय गिरी महाराज ने बताया वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जा रहा है। बाबा ग़ैबी साहब मंदिर के सचिव महेंद्र गर्ग ने बताया कि अजय गिरीं की तरफ से भंडारे के लिए निमंत्रण भी दिया गया है।

पीएनबी जींद कार्यालय में कृषि आउटरीच अभियान

जींद। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने जींद सर्कल कार्यालय में कृषि आउटरीच अभियान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों, कृषि आधारभूत संरचना निधि और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योगों के औपचारिकीकरण कार्यक्रम के विकास को बढ़ावा देना था। जो आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन में योगदान करते हैं। इस अभियान का उद्घाटन वंदना पांडे उप महाप्रबंधक मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा और ज्योतिष चंद्र प्रसाद उप महाप्रबंधक जोनल कार्यालय चंडीगढ़ द्वारा किया गया।

सौंदर्यीकरण में सिंधवी खेड़ा स्कूल जिले में प्रथम

जींद। हरियाणा शिक्षा विभाग की योजना के मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिंधवीखेड़ा ने जिला जींद में पहला स्थान प्राप्त किया है। शिक्षा विभाग की इस योजना में स्कूलों के सौंदर्यीकरण का निरीक्षण किया जाता है। उसे विभिन्न मापदंडों पर जांचा जाता है।

हैप्पी कार्ड को दोबारा से रिचार्ज करने या किलोमीटर अपडेट करने की नहीं मिल रही जानकारी

जींद। जिले में एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले परिवारों को रोडवेज बस में मुफ्त यात्रा के लिए सरकार द्वारा अप्रैल 2024 में हैप्पी कार्ड की योजना शुरू की थी। हैप्पी कार्ड में लाभार्थी एक साल में एक हजार किलोमीटर तक रोडवेज बसों में मुफ्त सफर कर सकते हैं लेकिन लाभार्थियों के एक साल से पहले ही एक हजार किलोमीटर पूरे हो चुके हैं। ऐसे में लोग बस स्टैंड परिसर में रोडवेज कर्मचारियों से हैप्पी कार्ड को दोबारा से रिचार्ज करने या किलोमीटर अपडेट होने के बारे में पूछने आते हैं। अभी तक सरकार की ओर से इसको लेकर कोई नए निर्देश नहीं आए हैं। इस कारण लोग निराशाजनक वापस लौट रहे हैं। जिले में एक लाख सात हजार से अधिक लोगों के हैप्पी कार्ड आ चुके हैं। इसमें से 97 हजार से अधिक कार्ड बांटे भी जा चुके हैं। प्रदेश सरकार ने एक लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले जरूरतमंद परिवारों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने की योजना शुरू की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए सबसे पहले कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पंजीकरण के बाद आवेदक के मोबाइल फोन नंबर पर एक संदेश आएगा। अड्डे पर पंजीकरण नंबर के आधार पर हैप्पी कार्ड लिया जा सकता है। इसके लिए पात्र व्यक्ति को 50 रुपये शुल्क वहन करना होगा।

विज्ञान ओलंपियाड में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक ज्ञान और समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी गहरी समझ दिखाते हुएए उन्होंने प्रतियोगिता के कठिन प्रश्नों का सामना किया। विभिन्न कक्षाओं से बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें कक्षा छठी से नीतिका कक्षा दसवीं से आरनाए तमन्ना और प्रिंसी तथा कक्षा ग्यारहवीं से आदित्य सेन, नवदीप और गुरमीत सभी बच्चों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और सर्टिफिकेट प्राप्त किया। ओलंपियाड विश्व स्तर पर प्रसिद्ध प्रतियोगिताएँ हैं एजो विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक सोच और तर्कशक्ति

नरवाना। परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थी।

को बढ़ावा देती हैं। इस प्रकार के आयोजन छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन शर्मा ने कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। इन प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को अपनी योग्यता को राष्ट्रीय स्तर पर परखने का अवसर मिलता है। इन ओलंपियाड में लाखों बच्चे हिस्सा लेते हैं और उन में से स्थान प्राप्त करना अपने आप में ही एक उपलब्धि है। हम अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। विद्यालय के डायरेक्टर वीरेंद्र बिढान ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि गर्व का विषय है। यह हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

डॉ. सत्यबीर मेहला आरकेएसडी कॉलेज के नए प्रिंसिपल नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। डॉ. सत्यबीर मेहला का स्वागत करते पदाधिकारी।

डॉ. सत्यबीर मेहला आरकेएसडी कॉलेज के नए प्रिंसिपल बने हैं। डॉ. मेहला ने कॉलेज की कमान संभाली। उन्होने डॉ. संजय गोयल का स्थान लिया, जिन्होंने लगभग चार दशकों तक संस्थान की सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। डॉ. मेहला के पास अकादमिक और प्रशासनिक क्षेत्र में व्यापक अनुभव है, जिसमें उन्होंने विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रोफेसर और प्रशासक के रूप में कार्य किया है। उनका अकादमिक उत्कृष्टता, नवीन नेतृत्व और छात्र कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक सिद्ध रिकॉर्ड है। आरकेएसडी कॉलेज के नए प्रिंसिपल के रूप में, डॉ. मेहला ने संस्थान के लिए अपनी दृष्टि को रेखांकित किया है, जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता में सुधार करना - नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना - उद्योग साझेदारी को मजबूत करना शामिल है। डा. मेहला ने कहा कि वे आरकेएसडी कॉलेज का प्रिंसिपल बनने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं जो एक समृद्ध अकादमिक उत्कृष्टता की विरासत वाला संस्थान है। वे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के साथ मिलकर कॉलेज को और भी नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उत्साहित हैं। छात्र नेता सेवा सिंह बालू ने भी डा. सत्यबीर सिंह मेहला को प्राचार्य बनने पर बधाई दी।

राजौंद। इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा को सम्मानित करते हुए।

पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा को दी विदाई पार्टी

राजौंद। राजौंद निवासी पुलिस इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई पार्टी दी गई। राजौंद निवासी राजेश कुमार शर्मा पिछले कई सालों से पंचकूला में कार्यरत थे। उन्होंने बताया कि 28 सितंबर 1989 को उन्होंने पंचकूला में ज्वाईन किया था। इसके बाद वह हरियाणा के अलग-अलग शहरों में सेवा देते रहे।उनकी सेवानिवृत्ति 28 फरवरी को पंचकूला में पुलिस मुख्यालय में हुई। इस दौरान एचएस ढून आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा उनके सेवा निवृत होने पर उन्हें सम्मानित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। एच एस ढून आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कहा कि राजेश शर्मा ने अपने कार्य को पूरी लगन और निष्ठा से निभाया है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। अब वह अपने परिवार के साथ भी इसी तरह भविष्य में अपना आगामी जीवन निर्वाह करे। उनके सेवा निवृत होने पर शनिवार को राजौंद में विदाई समारोह को लेकर पार्टी का आयोजन किया गया। जहां नगर के गणमान्य लोगों के साथ साथ परिवार के सदस्य रिस्तेदारो ने उन्हें शुभकामना दी।

न्यूज डायरी

सुप्रीम स्कूल के छात्रों ने सीए परीक्षा में पाई सफलता

जींद। एकता नगर स्थित सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने हाल ही में सीए आईपीसीसी और सीएस की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस सफलता से स्कूल में एक नया उत्साह और गर्व का माहौल बना। सचिन ने सीए आईपीसीसी (दोनों समूह) में सफलता हासिल की जबकि प्रयागराज ने सीएस की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इन दोनों छात्रों की सफलता न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि स्कूल के लिए भी गर्व का कारण बनी। स्कूल के प्राचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता कोई साधारण बात नही है। यह केवल भौतिक संपत्ति या धन से नहीं मापी जा सकती। सच्ची सफलता का माप यह है कि आप कितने मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने छात्रों की सफलता को एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया और कहा कि यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। स्कूल प्राचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने मेधावी छात्रों को नगद पुरस्कार देकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक और निदेशक शरत अत्री भी उपस्थित रहे और उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। डा. डीपी जैन ने कहा कि इन छात्रों की सफलता हमारे विद्यालय के शैक्षिक स्तर की एक महत्वपूर्ण मिसाल है और हम गर्व महसूस करते हैं कि वे हमारे स्कूल से जुड़े हुए हैं।

परीक्षाओं के दौरान जिले में रहेगी धारा 163 लागू

जींद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी अकादमिक एवं ओपन स्कूल वार्षिक परीक्षाओं तथा डीएलएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष रीअपीयर परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करना था। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा एवं व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिए। इस बैठक में उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। उन्होंने परीक्षा केंद्रों की निष्पक्षता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इन आदेशों के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति को लाठी, गंडासा, भाला, तलवार, कुल्हाड़ी, साइकिल चेन अथवा अन्य किसी भी प्रकार के हथियार या ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास नकल प्रवृत्ति को रोकने के लिए 200 मीटर की परिधि में स्थित सभी फोटोस्टेट की दुकानों को भी बंद रखने के निर्देश भी दिए।

नरड़ गांव की भैंस ड्राई-ब्यूटी प्रतियोगिता में प्रथम

कैथल। नरड़ गांव की भैंस अनमोल ड्राई-ब्यूटी प्रतियोगिता में प्रथम आकर पांचवीं बार चैंपियन बनी। यह स्पर्धा 27 फरवरी से एक मार्च को करनाल के एनडीआरआई में हुई। इसमें रड़ही पशु प्रदर्शनी में संजीव शर्मा नरड़ की भैंस जिसका नाम अनमोल-नरड़ है, उसको सुपर मुहर्रा नस्ल में रखा गया है और इसका स्टेच्यू बनाकर करनाल एनडीआरआई म्यूजियम में रखा जाएगा। संजीव ने बताया कि 2022 में भी अनमोल नरड़ डीएफए मेले में मिल्क-ब्यूटी कम्पीटिशन में प्रथम आकर ऑल इंडिया चैंपियन बनी थी। 2023 में अनमोल नरड़ ने 26.513 किलो दूध के साथ नया रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिसमे अनमोल नरड़ 2022-2023 में जिले में में प्रथम स्थान पर रही। इसके अलावा 2023 में भी अनमोल नरड़ ने छह महीने की डिलीवरी के बाद भी मिल्क-ब्यूटी कॉम्पीटिशन में हिस्सा लेकर प्रथम स्थान पाया। पानीपत के मतलोडा में हुई राष्ट्रीय पशु प्रदर्शनी में भी ड्राई-ब्यूटी प्रतियोगिता में प्रथम आकर चैंपियनशिप जीती।

छठी से लेकर आठवीं कक्षा तक की दस मार्च से होंगी परीक्षाएं

बाल वाटिका से लेकर आठवीं तक की डेटशीट जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

छात्रों को खेल-खेल में बेहतर शिक्षा दी

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि एफएलएन के तहत विद्यार्थियों को खेल-खेल में बेहतर शिक्षा दी गई है। इससे विद्यार्थियों की विषय पर अच्छी पकड़ बने। उम्मीद है कि विद्यार्थी अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण करेंगे। सरकारी स्कूलों में पढने वाले बालवाटिका से लेकर आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की डेटशीट जारी हो चुकी है। स्कूल मुखियाओं को परीक्षा की तैयारी को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा जहां 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं ली जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने बाल वाटिका से लेकर आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए डेटशीट जारी की है। छठी से आठवीं कक्षा की दस मार्च तो प्राइमरी कक्षा की 17 मार्च से परीक्षाएं शुरू होंगे। सरकारी स्कूलों की बाल वाटिका से लेकर आठवीं कक्षा में पढने वाले लगभग 68 हजार विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। 17 मार्च को बालवाटिका में इंग्लिश ओरल और 19 मार्च को हिंदी ऑरल परीक्षाएं होंगी। वहीं 17 मार्च को पहली कक्षा की अंग्रेजी रिटन एसेसमेंट, 18 मार्च को इंग्लिश ऑरल एसेसमेंट, 19 मार्च को गणित, 21 मार्च को हिंदी रिटन एसेसमेंट और 22 मार्च को हिंदी ऑरल एसेसमेंट विषय की परीक्षा होगी। दूसरी कक्षा की 17 मार्च को गणित रिटन एसेसमेंट, 19 मार्च को हिंदी रिटन एसेसमेंट, 20 मार्च को हिंदी ओरल एसेसमेंट, 21 मार्च को इंग्लिश ओरल एसेसमेंट, 22 मार्च को इंग्लिश रिटन एसेसमेंट की परीक्षा होगी। तीसरी की 17 मार्च को गणित रिटन एसेसमेंटए 18 मार्च को इंग्लिश ऑरल एसेसमेंट, 19 मार्च को इंग्लिश रिटन एसेसमेंट, 20 मार्च को हिंदी रिटन एसेसमेंट, 21 मार्च को हिंदी ओरल एसेसमेंट, 22 मार्च को ईवीएस रिटन एसेसमेंट होगी। 17 मार्च को चौथी कक्षा की अंग्रेजी, 19 मार्च को गणित, 21 मार्च को ईवीएस और 22 मार्च को हिंदी विषय की परीक्षा होगी। पांचवीं कक्षा की 17 मार्च को गणित, 19 मार्च को अंग्रेजी, 20 मार्च को हिंदी और 22 मार्च को ईवीएस की परीक्षा होगी। वहीं दस मार्च को छठी कक्षा की गणित, 13 मार्च को हिंदी, 17 मार्च को विज्ञान, 19 मार्च को अंग्रेजी, 21 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 22 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, 24 मार्च को ड्राइंग, गृह विज्ञान, संगीत विषय की परीक्षा होगी। वहीं दस मार्च को सातवीं कक्षा की विज्ञान, 13 मार्च को गणित, 17 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 19 मार्च को हिंदी, 21 मार्च को अंग्रेजी, 22 मार्च को ड्राइंग, गृह विज्ञान, संगीत विषय और 24 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, उर्दू की परीक्षा होगी। दस मार्च को आठवीं कक्षा की अंग्रेजी, 13 मार्च को विज्ञान, 17 मार्च को गणित, 19 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 21 मार्च को हिंदी, 22 मार्च को ड्राइंग, गृह विज्ञान, संगीत विषय और 24 मार्च को संस्कृत, पंजाबी, उर्दू की परीक्षा होगी।

लिफ्ट देकर बुजुर्ग महिला से बालियां छीनने के मामले में चीका पुलिस ने आरोपी को दबोचा

कैथल। बालियां छीनने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में। फोटो :हरिभूमि

कैथल। लिफ्ट देकर बुजुर्ग महिला से बालियां छीनने के मामले की जांच थाना चीका पुलिस के एएसआई लखविंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी खरौदी निवासी बंटी उर्फ हन्नी को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव भागल निवासी 60 वर्षीय दयालो देवी की शिकायत अनुसार 14 जुलाई 2024 को वह किसी काम से चीका गई थी। वापसी में गांव लौटने के लिए चीका चौक के पास खड़ी थी। वहां एक युवक बाइक लेकर आया और कहा कि दादी गांव चलना है क्या। वह उसके बाइक पर पीछे बैठ ली। उक्त युवक उसको कच्चे रास्ते की तरफ ले गया तथा उसके कानों से सोने के बालियां छीन कर मौके से फरार हो गया। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी बंटी किसी अन्य मामले में कैथल जेल में बंद था। जिसको माननीय न्यायालय के आदेशानुसार प्रोडक्शन वारंट पर लेकर अदालत से 1 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया। आरोपी के कब्जे से 2 सोने की बालियां बरामद कर ली गई। आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव / समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

सिने-ट्रेंड / हेमंत पाल

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'